Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Bachelor of Arts in Multidisciplinary Study-Sanskrit		
Programme:- Bachelore of Arts - SANSKRIT	Year: III	Semester: VI Paper-DSC I
Course Code: DSC 06	Course Title: **वैदिकवाङ्मय का अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. वैदिकवाङ्गमय की समृद्ध परम्परा को समझनेमें पर्याप्त सहायक होगा।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
3. वैदिकसूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।
4. वेदाङ्ग के सम्यक्बोधसे सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेगें।

Unit	Topic
Unit I	ऋग्वेद– अग्निसूक्त– 1/1, विष्णुसूक्त– 1/154, पुरुषसूक्त– 10/90, वैदिकसाहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।
Unit II	यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।
Unit IV	संहिता, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।
Unit V	वेदाङ्ग–शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं में इनकी प्रासङ्गिकता।

Suggested Reading:

1– वैदिकसूक्त चयनिका–डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी ।
2–ऋक्सूक्त मञ्जूषा–प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यप्रकाशन, नई दिल्ली।
3– वैदिकसूक्त संकलन–विजय शंकर पाण्डे।
4– वैदिकसूक्त संग्रह–अयोध्या प्रसाद सिंह।
5– वैदिकसाहित्य का इतिहास–डॉ0 कर्णसिंह,साहित्य भण्डार मेरठ–2013।
6– वैदिकसाहित्य और संस्कृति–डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे।
7– शिवसंकल्पसूक्तम्–संस्कृत हिन्दी टीका सहित–डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।
8–न्यूवैदिक सलेक्शन– भाग–1, 2 सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Bachelor of Arts in Multidisciplinary Study-Sanskrit		
Programme:- Bachelor of Arts – SANSKRIT	Year: III	Semester: VI Paper-DSE II
Course Code: DSE 04	Course Title: **उपनिषद् साहित्य**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी उपनिषद् का अर्थ समझ सकेंगे।
2. उपनिषदों की दार्शनिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
3. उपनिषदों में प्राप्त होने वाली नैतिक शिक्षा से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी उपनिषद् ज्ञान के माध्यम से संपूर्ण ब्रह्माण्ड एवं मानव जीवन के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	प्रमुख ग्यारह उपनिषदों का सामान्य परिचय।
Unit II	ईशोपनिषद्।
Unit III	तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली)।
Unit IV	तैत्तिरीयोपनिषद् (भृगुवल्ली)।
Unit V	केन उपनिषद्।

Suggested Reading:

1. उपनिषदों का सामान्य परिचय–डॉ0 वेदवती वैदिक।
2. तैत्तिरीयोपनिषद्–गीता प्रेस गोरखपुर।
3 केन उपनिषद्–गीता प्रेस गोरखपुर।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास।– कपिल देव द्विवदी

अथवा

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Bachelor of Arts in Multidisciplinary Study-Sanskrit			
Programme:- Bachelor of Arts –SANSKRIT		Year: III	Semester: VI Paper-GE II
Course Code: GE 06	Course Title: **स्वास्थ्य–विज्ञान**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भूत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे।
3. वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
4. अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवन शैली से सुपरिचित होंगे।

Unit	Topic
Unit I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव, विकास एवं मूलभूत सिद्धान्त, आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य– चरक, सुश्रुत, वाग्भट एवं माधव।
Unit II	चरक संहिता एवं अष्टांग आयुर्वेद की उपादेयता।
Unit III	आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास।
Unit IV	आयुर्वेद की वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व।

Suggested Reading:

1. चरक संहिता–ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005।
2. अष्टांग हृदयम–वाग्भट, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्टान दिल्ली, 2014।
3. आयुर्वेद का बृहद् इतिहास–अत्रिदेव विद्यालंकार, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण, 1976।
4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–बलदेव उपाध्याय, (सप्तदश खण्ड),उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, 2006।
5. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास–आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी।
6. आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय–विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी,चौखम्बा वाराणसी।
7. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद–अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, प्रथम संस्करण, 1956।
8. वेदों में आयुर्वेद–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही, 1993।

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC	4	3	1	0		Nil

Bachelor of Arts in Multidisciplinary Study-Sanskrit			
Programme:- Bachelor of Arts – SANSKRIT		Year: III	Semester: VI Paper- IAPC
Course Code: IAPC02	Course Title:**पाण्डुलिपि विज्ञान**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी प्राचीन लिपियों से अवगत होंगे।
2. पाण्डुलिपि विज्ञान के स्वरूप एवं पाण्डुलिपि लेखन के आधार तथा उपकरण से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी पाण्डुलिपि के ज्ञान से पाण्डुलिपियों को सुरक्षित एवं अन्य लिपियों में परिवर्तित करने में सक्षम होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	पाण्डुलिपि विज्ञान– स्वरूप एवं क्षेत्र, लिपिविज्ञान– लिपि शब्द का अर्थ एवं उसका क्रमिक विकास लिपियों का स्वरूप, पाण्डुलिपि का अर्थ एवं क्रमिक विकास।
Unit II	पाण्डुलिपि– लेखन आधार, उपकरण एवं प्रकार।
Unit III	पाण्डुलिपियों की सुरक्षा के उपाय, प्रमुख पाण्डुलिपियों का परिचय, संस्कृत वर्णमाला, लेखनचिह्न एवं रोमन लिपि।
Unit III	पाठालोचन– पाठालोचन के विविध सिद्धान्त, पाठदोष : प्रकार एवं कारण, वंशवृक्ष निर्माण।

Suggested Reading:

1. भारतीय संस्कृति–प्रो0 किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश अकादमीय लखनऊ।
3. शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान :–प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, डॉ0 (श्रीमती) राजेश कुमारी मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन इलाहाबाद।
4. पाण्डुलिपि विज्ञान :–डॉ0 रामगोपाल शर्मा दिनेश।
5. पाण्डुलिपि विज्ञान :–डॉ0 सत्येन्द्र।
6. प्राचीन कला एवं संस्कृति–डॉ0 राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।